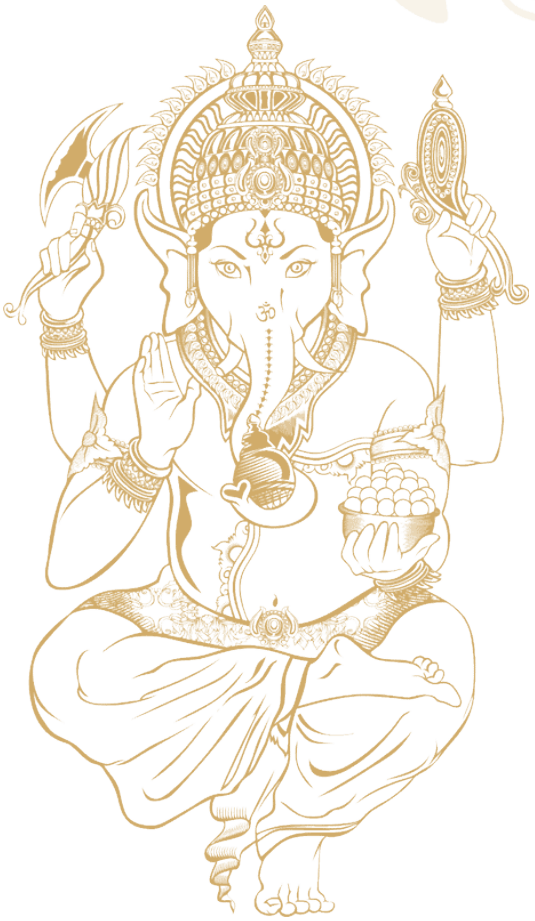

shubam

Sadhana

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121873903

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
15-16/10/1994 :	जन्म तिथि	: 6-07/08/2001
शनि-रविवार :	दिन	: सोम-मंगलवार
घंटे 03:00:00 :	जन्म समय	: 01:50:00 घंटे
घटी 51:31:00 :	जन्म समय(घटी)	: 49:36:50 घटी
India :	देश	: India
Ujjain :	स्थान	: Ujjain
23:11:00 उत्तर :	अक्षांश	: 23:11:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व :	रेखांश	: 75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40 :	स्थानिक संस्कार	: -00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:23:36 :	सूर्योदय	: 05:59:15
18:01:15 :	सूर्यास्त	: 19:05:23
23:47:15 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:52:30

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 2वर्ष 9मा 26दि		11:05:27	सिंह	लग्न	वृष	23:51:48	राहु 1वर्ष 6मा 2दि	
शनि		28:30:36	कन्या	सूर्य	कर्क	20:32:41	शनि	
11/08/2013		17:54:34	कुंभ	चंद्र	कुंभ	18:53:01	08/02/2019	
11/08/2032		12:24:08	कर्क	मंगल	वृश्चि	23:24:02	08/02/2038	
शनि	14/08/2016	09:48:03	तुला व	बुध	कर्क	21:34:31	शनि	11/02/2022
बुध	24/04/2019	24:17:54	तुला	गुरु	मिथु	11:25:00	बुध	21/10/2024
केतु	02/06/2020	24:04:55	तुला व	शुक्र	मिथु	12:16:18	केतु	30/11/2025
शुक्र	03/08/2023	12:24:01	कुंभ व	शनि	वृष	18:50:41	शुक्र	29/01/2029
सूर्य	15/07/2024	21:10:17	तुला व	राहु व	मिथु	11:52:26	सूर्य	11/01/2030
चन्द्र	13/02/2026	21:10:17	मेष व	केतु व	धनु	11:52:26	चन्द्र	13/08/2031
मंगल	25/03/2027	28:40:57	धनु	हर्ष व	मक	29:19:57	मंगल	21/09/2032
राहु	29/01/2030	26:50:06	धनु	नेप व	मक	13:18:25	राहु	29/07/2035
गुरु	11/08/2032	02:49:34	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	18:44:25	गुरु	08/02/2038

लग्न-चलित

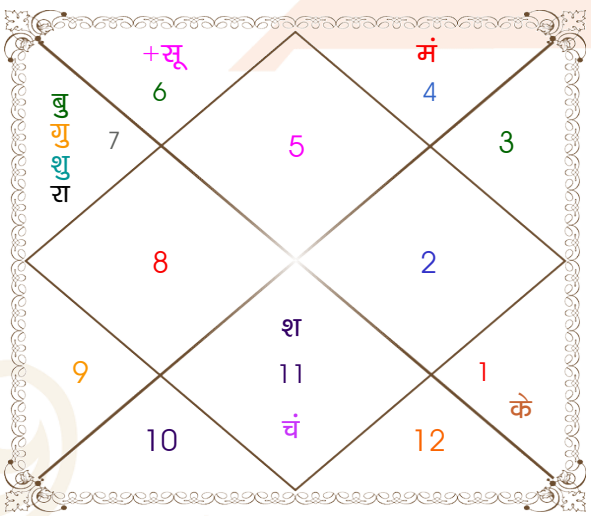

लग्न-चलित

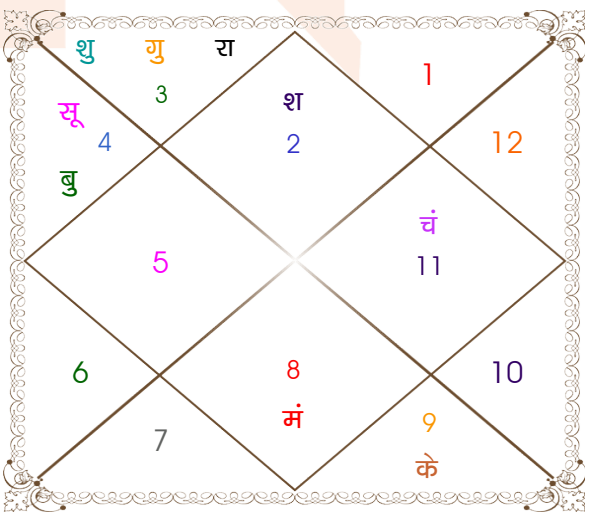

श्री संकटमोचन ज्योतिष केंद्र
नरसिंह मंदिर,कलाल घाट,तोड़ा,सांवेर(जिला)इंदौर
वैदिक पंडित पंकज मंडलोई ज्योतिष आचार्य
+91 9893119214
pandit11317@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	अश्व	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

shubam का वर्ग मेष है तथाँ कींदं का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार shubam औरँ कींदं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

shubam मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल shubam कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल shubam कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ँ कींदं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ँ कींदं कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि shubam कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु shubam कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

shubam तथाँ कींदं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।